पाठ 13
रहिमन-विलास

॥ 1 ॥

रहिमन चुप ह्वै बैठिए, देख दिनन को फेर।
जब नीके दिन आइ हैं, बनत न लगिहै बेर॥

॥ 2 ॥

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग॥

॥ 3 ॥

करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निशान॥

॥ 4 ॥

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि॥

॥ 5 ॥

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरौ चटकाई।
जोरे ते फिरि न जुरै, जुरे गाँठ परिजाई॥

▸ रहीम

शिक्षण संकेत

- दोहा का आदर्शवाचन हाव-भाव के साथ करें। • बच्चों से भी वाचन कराएँ।
- रहीम, कबीर, तुलसी आदि कवियों के कुछ दोहे बच्चों को सुनाएँ।
- दोहों से किस प्रकार नीति एवं लोक-व्यवहार की शिक्षा दी जाती है, बताएँ।

नए शब्द

फेर=बदलना। **नीके**=अच्छे। **रसरी**=रस्सी। **उत्तम**=अच्छा। **लघु**=छोटा। **प्रकृति**=व्यवहार, स्वभाव। **तरवारि**=तलवार। **कुसंग**=बुरी संगत। **तोरौ**=तोड़ना। **विष**=जहर। **जोरे**=जोड़ना। **भुजंग**=साँप। **जुरै**=जुड़ा। **जड़मति**=मूर्ख। **गाँठ**=गठान। **सुजान** =समझदार।

अनुभव विस्तार

1. कविता से खोजकर बताइए–

(क) सही जोड़ी बनाइए।

धागा प्रेम का	–	कहा करै तरवारि
जहाँ काम आवै सुई	–	विष व्यापत नहीं
चंदन	–	लघु न दीजिए डारि
रहिमन देख बड़ेन को	–	मत तोरौ चटकाई

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. अभ्यास करने से.....भी समझदार हो जाता है ।
2. प्रेम रूपी .....कभी नहीं तोड़ना चाहिए।
3. चन्दन के पेड़ पर .....का कोई असर नहीं होता।
4. रहीम के अनुसार जहाँ.....का उपयोग हो, वहाँ तलवार कुछ नहीं कर सकती।

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए–

1. मूर्ख व्यक्ति कब समझदार बनता है?
2. जब अच्छे दिन आते हैं तब क्या होता है?
3. सिल पर निशान क्यों पड़ जाते हैं?
4. रहीम ने कब चुप बैठने के लिए कहा है?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्य में दीजिए-

1. अच्छे स्वभाव वाले मनुष्य के क्या लक्षण हैं?
2. निरंतर अभ्यास करने से क्या लाभ होता है?
3. रहीम ने प्रेम के संबंध तोड़ने को क्यों मना किया है ?
4. बिगड़े काम कैसे बन जाते हैं ?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों में से एक शब्द असमान है उस पर गोला लगाइए -

दिन	रात	सुबह	मकान
सर्प	घोड़ा	हाथी	शेर
रस्सी	धागा	सुतली	कपड़ा
कैंची	सुई	तलवार	धागा

2. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए -

कुसंग, भुजंग, बाँट, अभ्यास, तोरौ, प्रकृति, उत्तम, विष

ध्यान दीजिए

जो रहीम उत्तम प्रकृति,का करि सकत कुसंग।
चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग॥

रहीम के इस दोहे में अंतिम शब्द 'कुसंग' और 'भुजंग' की अंतिम ध्वनि उच्चारण करने में एक सी है।

3. निम्नलिखित शब्दों की उसकी अंतिम ध्वनि, को देखकर जोड़ी बनाइए-

फेर,	कोय,	डारि,	बेर,
निशान,	गोय,	तरवारि,	चटकाई,
भुजंग,	परिजाई,	कुसंग,	सुजान,

जैस- डारि-तरवारि

4. निम्नलिखित शब्दों को उनके वर्णमाला क्रमानुसार लिखिए-

उत्तम, आइ, अभ्यास, कुसंग, चन्दन, आवत, धागा, गाँठ।

जैसे- अभ्यास, आइ

अब करने की बारी

1. कक्षा में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बालसभाओं में रहीम, कबीर, तुलसी आदि कवियों के दोहे सुनाइए।
2. रहीम के साथ अन्य कवियों के दोहों का संकलन कीजिए तथा उन्हें सुवाच्य अक्षरों में लिखकर कक्षा में टाँगिए।
3. अन्य संत कवियों के चित्रों का संग्रह कर एक एलबम तैयार कीजिए।

निर्देश - बच्चों से उनकी रुचि के अनुसार चित्र बनवाएँ तथा उसमें रंग भरवाएँ-